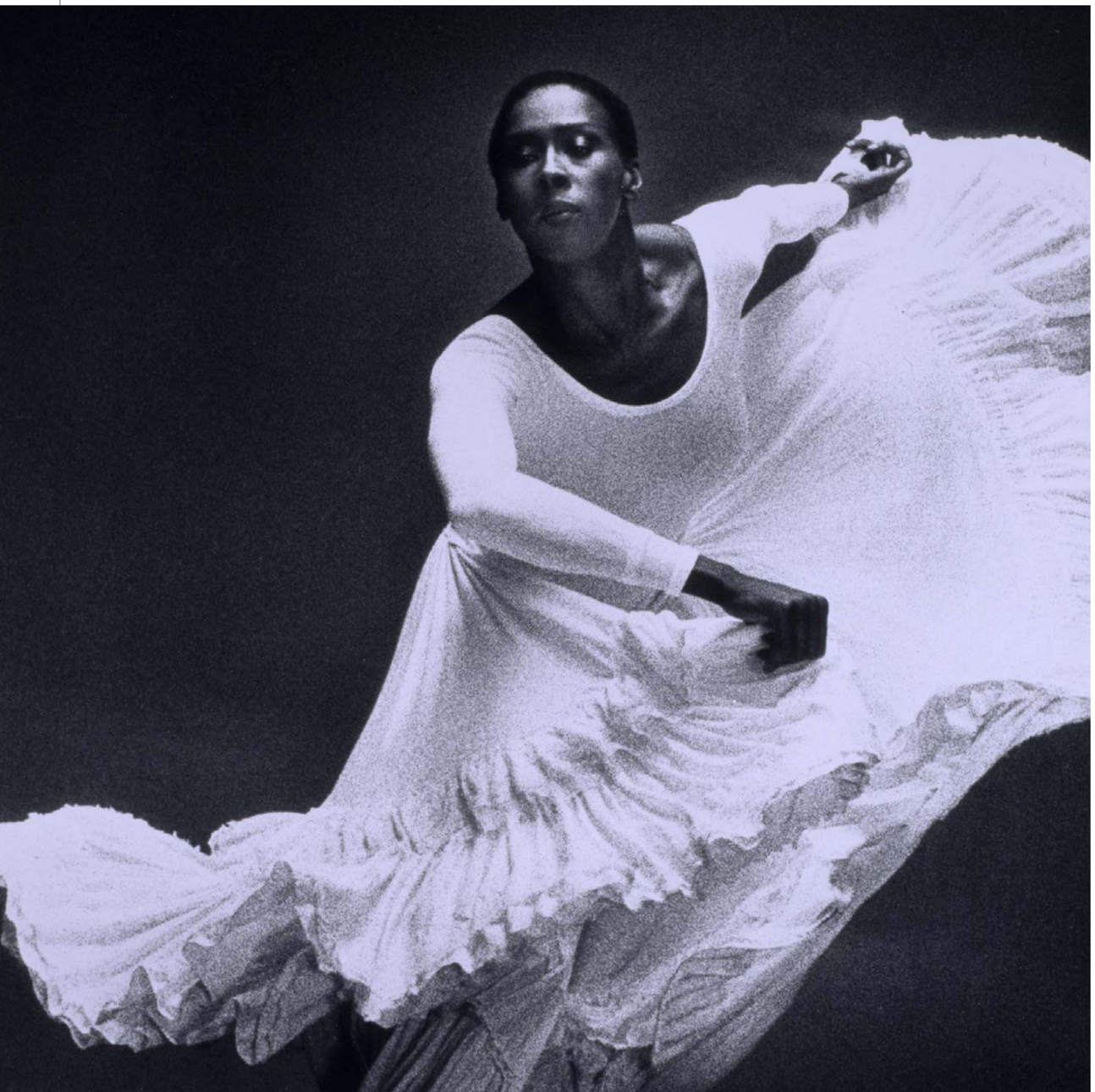

एल्विन एली अमेरिकन डांस थियेटर के लिए क्राई में अपनी नृत्य प्रस्तुति देते हुए जूडिथ जैमिसन।

फोटो: मैक्स वाल्डमैन, 1976, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, कैरल ग्रूनक द्वारा भेंट, मैक्स वाल्डन आर्काइव।

हमारे ज़माने की महिलाएं

मेघन लॉफ़्ट्स

अमेरिका को चुनौती देने और बदलने का सामर्थ्य रखने वाली स्त्रियों को सलाम करती फोटोग्राफी प्रदर्शनी।

स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन में चल रही ''विमेन ऑफ़ अवर टाइम: ट्वंटिएथ सेंचुरी फोटोग्राफ्स फ्रॉम द नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी,'' उन सभी प्रसिद्ध स्त्रियों को इस देश का सलाम है जिनकी उपलब्धियों ने उसके इतिहास को एक नया मोड़ दिया।

एक फरवरी को समाप्त हुई इस प्रदर्शनी में स्त्री आंदोलनकारियों, कलाकारों, खिलाड़ियों, कार्यकर्ताओं आदि के 90 फोटोग्राफ शामिल थे।

गैलरी के निदेशक मार्टिन सलिवान कहते हैं, ''20वीं सदी में स्त्रियों के विचारों, संघर्षों और उपलब्धियों का एक समृद्ध कोष विकसित हुआ।''

नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी की वेबसाइट बताती है, ''सदी की शुरुआत में स्त्रियों को सार्वजनिक पद ग्रहण करने की बात तो दूर, मतदान का अधिकार तक नहीं था। लेकिन सदी के अंत तक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका था। इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनीं ज़्यादातर स्त्रियों पर इस बदलाव का असर हुआ, काफी हद तक उनकी बड़ी उपलब्धियां इस सदी में स्त्रियों की उपलब्धियों के प्रति अधिकाधिक स्वीकृति के भाव के कारण संभव हो पाईं। लेकिन इससे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें से बहुत सी स्त्रियों की इस वातावरण के सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका थी।''

''विमेन ऑफ़ अवर टाइम'' में 19 स्त्री फोटोग्राफरों की कृतियां प्रदर्शित की गईं जिससे यह फोटोग्राफी की कला का उत्सव भी बन गई। प्रदर्शनी की शुरुआत नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी के 2000 से 2006 तक पुनर्सज्जा के लिए बंद रहने के दौरान एक सचल शो के रूप में हुई। अमेरिका के ओर-छोर घूमते प्रदर्शनी में और फोटोग्राफ जुड़ते चले गए।

प्रदर्शनी को छह कमरों में समयक्रम से लगाया गया था। गुरू या प्रेरक व्यक्तित्व और उनसे प्रेरणा प्राप्त करने वाली हस्तियां लगभग साथ-साथ थीं। महान ब्लूज़ गायिका बेसी स्मिथ के कार्ल वॉन वेख्टेन के खींचे फोटो से कुछ ही दूरी पर लिंडा मैक्कार्टनी की खींची रॉक गायिका जानिस जॉप्लिन की तस्वीर लगी थी जो मानती थीं कि उनके गायन पर बेसी स्मिथ का प्रभाव है। 1920 के दशक की स्त्री मताधिकार आंदोलन की अगुआ एलिस पॉल आधुनिक स्त्रीवादियों सूसन फालूदी और ग्लोरिया स्टाइनम की आदर्श थीं जिनका व्यक्तिचित्र प्रदर्शनी का आखिरी चित्र है।

बच्चों के लिए गुडनाइट मून नामक क्लासिक पुस्तक लिखने वाली मार्गरेट वाइज़ ब्राउन ने सौ से ज़्यादा पुस्तकें लिखी हैं।

फोटो: फिलिप हाल्समैन, 1946, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, जेन हाल्समैन बेलो की स्मृति में स्टीव बेलो द्वारा भेंट।

हस्तियों का चुनाव

''विमेन ऑफ़ अवर टाइम'' की संग्राहक एन.एम. शमर्ड बताती हैं कि शो के लिए संभावित हस्तियों की एक अनौपचारिक सूची तैयार की गई थी जिसमें बीसवीं सदी की शुरुआत में सौंदर्य प्रसाधनों का बड़ा व्यवसाय खड़ा कर दस लाख डॉलर कमाने वाली पहली अफ्रीकी-अमेरिकी स्त्री मैडम सी.जे. वॉकर भी थीं। लेकिन गैलरी के पास उनका कोई फोटो नहीं था- यह हैरानी की बात थी क्योंकि

ऊपरः मशहूर शेफ़ जूलिया चाइल्ड जिन्होंने अपनी बेस्टसेलर पाक कला पुस्तक मास्टरिंग द आर्ट ऑफ़ फ्रेंच कुकिंग और टीवी पर अपनी प्रस्तुतियों के जरिये अमेरिकियों को फ्रांसीसी कुकिंग सिखाई।

फोटो: हैंस नैमथ, 1977, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, हैंस नैमथ इस्टेट द्वारा भेंट।

दाएंः वर्जीनिया एपगर कोलंबिया यूनिवर्सिटी में मेडिसिन की पहली पूर्ण प्रोफ़ेसर बनीं। उन्होंने नवजात शिशुओं की सेहत जानने का सरल और तेज़ तरीका खोजा।

फोटो: एन ज़ेन शैंक्स, 1966, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन।

एमेलिया इयरहार्ट ने वर्ष 1932 में अटलांटिक महासागर पर अकेले उड़ान भरने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया।

फोटो: अज्ञात कलाकार, एक्मे न्यूज़पेपर इंक, 1936, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन।

हेलन केलर बचपन में हुई बीमारी के चलते बोलने, सुनने और देखने की शक्ति खो बैठीं। लेकिन उन्होंने ब्रेल पढ़ना और बोलना-लिखना सीखा। वर्ष 1904 में वह रेडक्लिफ़ कॉलेज से ग्रेजुएट हुईं। वह 1955 में भारत आईं।

फोटो: चार्ल्स व्हिटमैन, 1904, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन।

शमर्ड को जिस फोटोग्राफ की तलाश थी, उसका इस्तेमाल सैकड़ों विज्ञापनों और मैडम सी. जे. वॉकर के उत्पादों की पैकेजिंग पर हुआ था।

शमर्ड कहती हैं, ''विज्ञापनों में इस्तेमाल होने वाली तस्वीरें बची ही रहें, यह ज़रूरी नहीं। मैडम सी. जे. वॉकर की तस्वीरें इस्तेमाल होती रहीं और फिर गायब हो गईं। उन्होंने आखिर एक तस्वीर खोज ली और न्यू यॉर्क सिटी में एक कला नीलामी में वह उस पर बोली लगातीं, उससे पहले मैडम सी. जे. वॉकर की पड़नातिन ललीलिया बंडल्स ने अपनी पड़नानी का फोटो दान कर दिया जो प्रदर्शनी के मुख्य हॉल में टंगा है।''

कला संग्रह बाज़ार में उपलब्ध सामग्री पर निर्भर रहते हैं लेकिन कभी-कभी अनपेक्षित रूप से भी चीज़ें मिल जाती हैं- प्रदर्शनी में लगे गिनेचुने रंगीन चित्रों में से एक है नौसेना के चिकित्साकर्मी डेविड गीयरी द्वारा दान किया गया फोटो जिसमें 1954 में कोरिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों के समक्ष प्रस्तुति देती अभिनेत्री मेरिलिन मॉनरो नज़र आ रही हैं। वह आगे की सीट पर बैठे थे, इस चित्र में मॉनरो अपने प्रशंसकों की ऊर्जा और उल्लास पर तिरती सी दिखती हैं।

नाटककार वेंडी वासरस्टीन का सूजन जोहान द्वारा लिया गया फोटोग्राफ भी स्पष्टवादी और वैयक्तिक अंदाज़ के बूते आकर्षित करता है। जोहान ने वासरस्टीन की तस्वीर इस घोषणा के ठीक बाद ली कि उन्हें द *हीदी क्रॉनिकल* के लिए पुलित्ज़र पुरस्कार मिल गया है। वासरस्टीन अविश्वास की मुद्रा में दिखाई दे रही हैं। शमर्ड कहती हैं, ''मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि इसमें वह बेहद अनौपचारिक अंदाज़ में दिखाई दे रही हैं।''

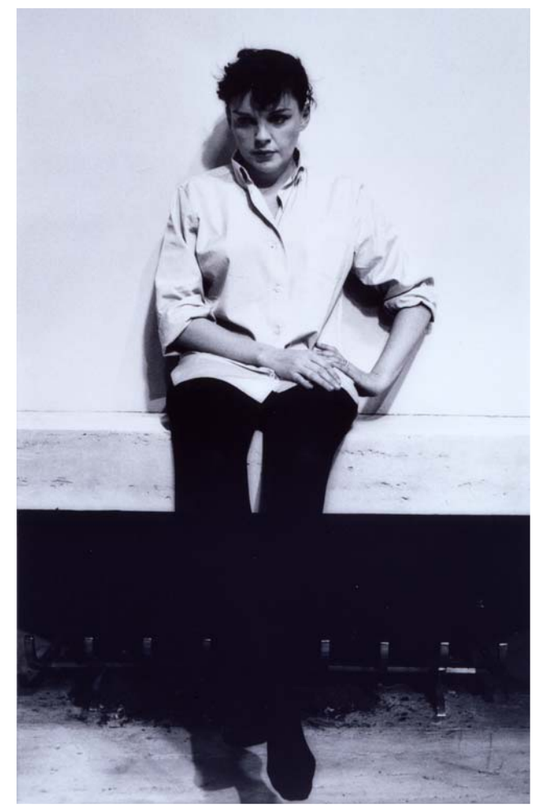

जूडी गारलैंड के अभिनय और गायन के क्षेत्र में लंबे कॅरिअर में 1939 की फ़िल्म द विज़ार्ड ऑफ़ ऑज़ में उनकी डोरोथी की भूमिका को बेहद याद किया जाता है।

फोटो: बॉब विलोबी, 1954 (1977 में मुद्रित), नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, श्रीमती एवं श्री बॉब विलोबी द्वारा भेंट।

ऊपर बाएं: एलेनॉर रूज़्वेल्ट अमेरिकी इतिहास में सबसे सक्रिय फ़र्स्ट लेडी थीं। उन्होंने महिलाओं और अल्पसंख्यकों के समान अधिकारों को बढ़ावा दिया। वह वर्ष 1952 में भारत आईं।

फोटो: क्लारा सिपरेल, 1949, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, फिलिस फेनर की वसीयत के जरिये प्राप्त।

ऊपर दाएं: मार्गरेट सैंगर 1900 के दशक में मैनहट्टन में एक प्रसूति नर्स थीं। उन्होंने गर्भनिरोधकों के बारे में जानकारी के प्रचार-प्रसार में आने वाली कानूनी बाधाओं को हटवाने के लिए काम किया। वह वर्ष 1935 में भारत आईं।

फोटो: इरा एल. हिल, 1917, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, मार्गरेट सैंगर की पोतियों मार्गरेट सैंगर लैम्प और नैन्सी सैंगर पालसेन द्वारा भेंट।

बाएं: मैडम सी. जे. वॉकर करोड़पतियों की श्रेणी में शामिल होने वालीं पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला थीं। उन्होंने बीसवीं शताब्दी के शुरू में सुंदरता का साम्राज्य स्थापित किया।

फोटो: एडिसन स्कर्लोक, 1914, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन, एलेलिया बंडल्स/ वॉकर परिवार द्वारा भेंट।

सक्रिय स्त्रियां

बहुत से चित्रों का विषय काम में व्यस्त और गतिशील स्त्रियां हैं। शमर्ड कहती हैं, ''किसी हस्ती के ऐसे चित्र को हासिल करना कठिन ही होता है जिनमें वह काम करते दिखें जो वह करते ही हैं।'' नर्तकी जूडिथ जेमिसन का एक बहुत खूबसूरती से लिया गया फोटोग्राफ प्रसिद्ध नृत्यरचना ''क्राई'' में उनकी तरल देहमुद्रा दिखाता है।

एक चित्र में न्यू यॉर्क की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी में चिकित्साशास्त्र की पहली स्त्री प्रोफेसर और नवजात शिशुओं की जीवनक्षमता मापने के लिए एपगर परीक्षण की सर्जक वर्जिनिया एपगर अस्पताल में एक मिनट पहले जन्मे शिशु की जांच कर रही हैं। छह बरस में एक भी सिंगल्स मैच न हारने वाली टेनिस चैम्पिन हेलेन विल्स मूडी बॉल बैकहैंड मारने की तैयारी में दिखती हैं।

और स्टूडियो में ली गई तस्वीरें भी कम आकर्षक नहीं हैं- रॉबर्ट मैपलथॉर्प के खींचे चित्र में फैशन डिज़ाइनर और सुरुचिसम्पन्नता की मूर्ति कैरॉलाइना हेरेरा भव्य दिखती हैं। अमेरिका में मंत्रिमंडल की पहली स्त्री सदस्य फ्रैंसेस पर्किन्स के गले में उनकी पहचान बन गई मोती की माला तो दिख रही है लेकिन वह प्रसिद्ध तिकोना हैट गायब है जो राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी.रूज़्वेल्ट के कार्यकाल में श्रममंत्री के रूप में वह हमेशा ही पहने रहती थीं।

शमर्ड स्पष्ट करती हैं, ''यह प्रदर्शनी 20वीं सदी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली हर स्त्री को निरूपित नहीं कर रही- हमारा काम अभी जारी है।''

मेघन लॉफ़्टस *America.gov की कार्यालय लेखिका हैं।*

उपन्यासकार और निबंधकार सूसन सोन्टांग लोकप्रिय अमेरिकी संस्कृति की जानीमानी विश्लेषक थीं।

फोटो: पीटर हुजार, 1975, नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी, स्मिथसॉनियन इंस्टीट्यूशन।